**विशेष खाद्यान्न कार्यक्रम के अधीन गुजरात के जिले**

1302. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेष खाद्यान्न कार्यक्रम के अन्तर्गत गुजरात के कौन-कौन से जिले शामिल किये गये हैं;

(ख) इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कितने नलकूप तथा कुएं खोदे गए हैं;

(ग) उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या यह सच है कि कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप नहीं हो रहा है और काम के निर्धारित कार्यक्रम का जिले-वार ब्यौरा क्या है ?

**कृषि मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम)** : (क) खेड़ा, जूनागढ, पंच महल, बदोदरा, सूरत, बलसाड, साबरकांठा और बनासकांठा नामक जिलों को उथले नलकूपों/खुदे कुओं का निर्माण करने के लिए विशेष खाद्यान्न कार्यक्रम के तहत शामिल किया गया था।

(ख) 31 मार्च, 1992 तक 8,429 उथले/खुदे कुओं का निर्माण किया गया। यह कार्यक्रम 1988-89 से 1991-92 तक कार्यान्वित किया गया।

(ग) और (घ) जिलावार ब्यौरा इस प्रकार है :—

| जिले | निर्मित किए गए उथले/खुदे हुए कुएं |
|---|---|
| 1. खेड़ा | 1067 |
| 2. जूनागढ़ | 871 |
| 3. पंचमहल | 2227 |
| 4. बनासकांठा | 967 |
| 5. बालसाड़ | 999 |
| 6. साबरकांठा | 886 |
| 7. सूरत | 1082 |
| 8. बदोदरा | 330 |
| कुल | 8429 |

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उन्होंने समय-सारणी के अनुसार कार्य को अंजाम दिया है।

**राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना के अधीन गुजरात को विश्व बैंक की सहायता**

1303. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना के अन्तर्गत गुजरात को विश्व बैंक द्वारा कितनी सहायता दी गई है; और

(ख) उक्त परियोजना के अधीन पिछले दो वर्षों के दौरान किए गए कार्य का जिला-वार ब्यौरा क्या है ?

**गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री**

का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) गुजरात में विस्तार सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए विश्व बैंक की सहायता से अप्रैल, 1985 से मार्च, 1993 तक राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना (एन०ए०ई०पी० II) कार्यान्वित की गई । विश्व बैंक की सहायता प्रत्यक्षत: नहीं दी जाती है अपितु यह प्रतिपूर्ति के आधार पर दी जाती है । मार्च, 1993 तक इस परियोजना के तहत राज्य सरकार को प्रदत्त संचित प्रतिपूर्ति 148.402 मिलियन रुपए है ।

(ख) इस परियोजना के तहत परियोजना/राज्य के लिए वास्तविक लक्ष्य पर समग्र रूप में सहमति दी जाती है न कि जिलावार । वास्तविक प्रगति का ब्यौरा विवरण में दिया गया है ।

**विवरण**

**वास्तविक लक्ष्य तथा संचित उपलब्धियां**

| क्रम संख्या | परियोजना घटक | संचित लक्ष्य | सितम्बर, 92 तक संचित उपलब्धि |
|---|---|---|---|
| 1. | स्टाफ . . . . . | 4889 | 3912 |
| 2. | सिविल निर्माण कार्य . . . . . | 398 | 335 |
| 3. | वाहन . . . . . | 969 | 457 |
| 4. | प्रशिक्षण . . . . . | 39091 | 76229 |

*[1304 *Transferred to 13th May, 1993.*]

**Traditional System of Cultivation**

1305. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government propose to re-examine the traditional systems of cultivation that are increasingly being found to be more sustainable and cost effective, including alternatives for hazardous chemical fertilisers and pesticides; and

(b) if so, what steps have been taken in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) Technologies are being continuously generated and upgraded drawing upon new scientific developments as also the sound traditional knowledge of the farmers. Such technologies include integrated use of organics, bio-fertilizers, lesser use of hazardous chemicals etc.

**Production of Cashew**

1306. SHRI SOM PAL:
SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that cashew production, processing industry and its exports are facing serious problems for the past several years;